वि.वि. अंतर्गत मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय जागरूकता शिविर सह प्रशिक्षण कार्यक्रम

आज दिनांक 3 अगस्त को नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में मत्स्य पालन, पशु पालन एवं डेयरी मंत्रालय, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम, सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय–मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में "मत्स्य कृषक उत्पादक संगठन योजना" पर एक दिवसीय जागरूकता शिविर सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम का उद्देश्य मत्स्य पालक किसानों को प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना मत्स्य पालक कृषक संगठन का निर्माण के लाभ, इसके अंर्तगत मत्स्य पालन के प्रति जागरूकता एवम मत्स्य पालन से संबंधित शासकीय योजनाएं जैसे मत्स्य संपदा योजना के विषय में किसानों को जागरूक एवम प्रेरित करना था, कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो. सीता प्रसाद तिवारी सहित मंचासीन, कार्यक्रम के अध्यक्ष, अधिष्ठाता मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय डॉ ए.पी. सिंह, अधिष्ठाता वेटरनरी कॉलेज डॉ. आर.के. शर्मा, अतिथि डॉ. शैलेंद्र सिंह क्षेत्रीय निर्देशक राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम, श्री पी.के. सिद्धार्थ संयुक्त निर्देशक राष्ट्रीय सहकारिता विकास निगम जबलपुर, श्री मति शशि प्रभा धुर्वे संयुक्त संचालक मत्स्य पालन विभाग ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवम पुष्प माल्यार्पण कर किया, तत्पश्चात मंचासीन अतिथियों को शॉल श्रीफल देकर श्री शैलेंद्र सिंह जी द्वारा सम्मानित किया गया। कुलसचिव, डॉ. श्रीकांत जोशी, संचालक विस्तार सेवाएं, डॉ. सुनील नायक एवं अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. आदित्य मिश्रा, श्री चतुर्भुज रहीसकबीर, श्री प्रियंक श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से 110 से अधिक मत्स्य कृषक बंधु, 20 से अधिक किसान समीतियों के सदस्यों ने तथा

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राएं विशेष रुप से अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। माननीय कुलपति प्रो सीता प्रसाद तिवारी जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि सरकार लगातार ऐसे प्रयास कर रही है जिससे देश में किसानों की आय को दोगुना करने के साथ, बढ़ती बेरोजगारी पर अंकुश लगाया जा सके, साथ ही इसी दिशा में मत्स्य पालन से जुड़े किसानों के छोटे–छोटे समूह, स्व–सहायता समूह, कृषक संगठन बनाकर किसानों को लाभान्वित किया जा सके, मत्स्य विभाग की मदद से इस क्षेत्र का विस्तारीकरण किया जा रहा है, माननीय कुलपति जी ने कहा की इस क्षेत्र में सरकार बड़े निवेश के साथ आपार संभावनाएं भी परिलक्षित करने में जुटी हुई है, हमारा प्रयास है की मत्स्य विज्ञान से जुड़े विषयों पर अतिशीघ्र डिप्लोमा, पाठ्यक्रम कोर्स, शुरू किए जायेंगे एवम मत्स्य विज्ञान संबंधित शोधकार्यों का क्रियान्वन, डिमॉन्स्ट्रेशन यूनिट की स्थापना भी की जाएगी, ताकि किसान बंधु इससे जुड़ी तकनीकी और वैज्ञानिकी को सहजता से समझ सकें एवम उनका अनुप्रयोग मत्स्य पालन के क्षेत्र में कर सकें। डॉ अजीत प्रताप सिंह अधिष्ठाता मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर ने किसानों को संबोधित करते हुए एफपीओ के संदर्भ में जानकारी दी, साथ ही मत्स्य पालकों को तकनीकी रूप से सक्षम बनने के लिए भी प्रेरित किया। वेटरनरी अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा ने प्रदेश के युवा कृषको को मत्स्य पालन के

क्षेत्र में काम करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. शैलेंद्र सिंह क्षेत्रीय निर्देशक ने मत्स्य संपदा योजना के घटकों पर विस्तार से चर्चा की एवम किसानों को इससे मिलने वाले लाभ के बारे में बताया, श्री पी.के. सिद्धार्थ जी तथा श्रीमति शशि प्रभा धुर्वे, संयुक्त संचालक ने योजनाओं के महत्व एवम नियमन पर प्रभावकारी जानकारियां साझा की, एवम कार्यक्रम के द्वितीय चरण में तकनीकी व्याख्यान विषय विशेषज्ञ डॉ नारायण शाहा, डॉ. शशि प्रभा धुर्वे तथा माधुरी शर्मा द्वारा दिए गए, कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. अपरा शाही प्राध्यापक, डॉ राखी वैश्य प्राध्यापक, डॉ अमिता तिवारी, सह प्राध्यापक, डॉ माधुरी शर्मा सह प्राध्यापक, डॉ सोना दुबे, डॉ प्रीति मिश्रा, डॉ अमिता दुबे का विशेष योगदान रहा, कार्यक्रम समिति में श्री शिवमोहन सिंह, शिवानी पाठक, प्रियंका गौतम, प्रतीक कुमार तिवारी, अनिल केवट, सत्येंद्र कटारा, ट्विंकल रैकवार ,श्रीमती सांभवी शेवडे, इमरान खान ने अहम भूमिका निभाई, कार्यक्रम का संचालन डॉ माधुरी शर्मा ने तथा आभार प्रदर्शन श्री शैलेंद्र जी द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर